पुरानी यादें ताजा, ग्लाइडिंग का लिया मजा

आईआईटी में 1976 बैच की एल्युमनाई मीट, निदेशक, डीन और फैकल्टी से मुलाकात भी की

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। आईआईटी में 1976 बैच की एल्युमनाई मीट के दूसरे दिन शनिवार को बैच ने निदेशक, डीन और फैकल्टी से मुलाकात कर संस्थान में रेवेन्यु और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की चर्चा की।

इसके बाद सभी ने एकेडमिक एरिया और कैंपस टूर में अपने हॉस्टल देख कर पुरानी यादें ताजा कीं। ग्लाइडिंग का मजा भी लिया। इस बैच में कुवैत, शंघाई, अमेरिका, हैदराबाद, दिल्ली आदि से 50 एल्युमनाई ने हिस्सा लिया। बैच रविवार की सुबह योगा और बिठूर भ्रमण के लिए जाएगा। गुरु दक्षिणा पर भी चर्चा होगी। 185 स्टूडेंटों के इस बैच में दो लड़कियां रोली और संध्या विजय थी। मीट में रोली सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काफी खुश दिखीं।

जेएनयू, स्मृति इरानी और रोहित वैमुला पर हुई राजनीति

सांसद प्रेमदास राय

सिक्किम के सांसद प्रेमदास राय ने कहा कि मोदी सरकार अच्छा काम कर रही है। सरकार का बजट बहुत बढ़िया है। पर, हेल्थ और हायर एजूकेशन के लिए यह बजट काफी कम है। उन्होंने जेएनयू, स्मृति इरानी और रोहित वैमुला केस को कोरी राजनीति कहा। बोले, ऐसी राजनीति बंद होनी चाहिए। प्रेमदास आईआईटी से निकले पहले सांसद हैं। उन्होंने बीटेक के बाद आईआईएम में एमबीए और बैंक आफ अमेरिका में नौकरी की। बाद में सब छोड़ राजनीति में कूद गए। अपोजीशन से सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट से चुनाव लड़ा, सांसद बने और एनडीए को समर्थन देकर पार्लियामेंट में पहुंच गए।

काफी अच्छी है इंडियन पॉलिसी

सौरभ चंद्रा

रिटायर्ड आईएएस और देश के पूर्व पेट्रोलियम सचिव सौरभ चंद्रा ने कहा कि इंडियन पॉलिसी अभी काफी अच्छी है। भविष्य में पेट्रोलियम पदार्थों में तेजी न आए इसके लिए रेट शीर्ष में तय होते हैं पर, सरकार भी पूरे प्रयास कर रही है। इंडियन पॉलिसी को और बेहतर बनाने के लिए हमें घरेलू उत्पादन और आयात होने वाली वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

टाकीजों में खूब फिल्में देखीं

मुक्तेश पंत

साहित्यकार शिवानी के बेटे मुक्तेश पंत ने कहा उन्हें लिखने का शौक कभी नहीं रहा। शंघाई में चाइना यम रेस्टोरेंट चला रहे मुक्तेश्वर ने कैंपस की यादें ताजा कर बताया कि घूमने के लिए टेंपो में बैठकर माल रोड जाते थे। वहां निगार, विवेक, हीर पैलेस और रीगल में खूब फिल्में देखीं। पैसे जमा करके पांच रुपये प्लेट की चाउमीन खरीदना और जीटी रोड में अंडा पराठा खाना कभी नहीं भूलता।

स्कूल चलाकर खुश हूं

हरीश कुमार

हैदराबाद से आए हरीश कुमार ने सब कुछ छोड़ कर समाज सेवा की राह पकड़ी है। बताया कि 30 साल इंडस्ट्री चलाने के बाद अब हैदराबाद में अरबन स्लम एरिया के 680 बच्चों के लिए स्कूल चलाकर बेहद खुश हूं। सालाना लगभग सात लाख खर्च आता है।

कुवैत में पेट्रोल 13 रुपये लीटर

वरुन कुमार सिन्हा

कुवैत की पेट्रोलियम रिफाइनरी में कार्यरत वरुन कुमार सिन्हा ने बताया कि कुवैत में पेट्रोल आज भी 13 रुपये लीटर है। बोले, बीटेक के बाद जब इंडियन ऑयल में नौकरी की थी तब पेट्रोल साढ़े छह रुपये लीटर मिलता था। फिर यादें ताजा कर बताया कि वह फिल्म एसोसिएशन के सचिव थे। फिल्म लेकर संस्थान में दिखाते थे। स्टूडेंटों को पास मिलता था। फिल्म 'चलती का नाम गाड़ी' यहां सुपर-डुपर हिट रही थी।